इंका-आर. एस. एस. गठजोड़

नेपाल की राष्ट्रीय पंचायत सभा का निर्वाचन विधान एक नौटंकीपूर्ण मजाक लगता है। प्रधानमंत्री कृष्ण के साथ इन्दौरिन इंका दस्तावेज की मुख्य राजधानियों के बीच आंटा है। इसका एक ऐतिहासिक महत्व है, इसी कारण इसके अंधे सांप्रदायिक के निकटों का उल्लेखन यह भी पुकारा किया जाने का निर्णय लिया है। यह दस्तावेज इंका और आर. एस. एस. के इरादों के नए हमलों की आगाह करता है। प्रस्तुत है दस्तावेज का हिन्दी अनुवाद।

—सम्पादक

प्रतिपक्ष

वर्ष 6 अंक 30 रविवार 25 नवम्बर 1984 मूल्य एक रुपया

आत्मदर्शन के क्षण

— मानवती देशमुख

श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारों के प्रति इस घर एक महान महिला के घर में लाई स्थान था ही लिखा है। इन्दिरा अपनी निर्भीकता और व्यवहार चौकसता के संयोजित परिवार के साथ प्रोटोटाइप की भांति देश की एक इकाई में भी अधिक समय उन्हें साथ महसूस और वह पल समझते में सबसे नहीं कि केवल वही देश की सार्वभौमता की सही रक्षा-कर्ता थीं, कि साथ उन्हीं के साथ इसी और दूसरी में और इसका की सारी-सभी राजनैतिक हस्तियों को पता उन्हें भी था सका थी, और, सारा देखना वही देश की एकता के मूल में आने वाले खतरों को। यह एक महान महिला की ओर दौड़ी की ओर से उन्हें और भी बहुत कम दिया है। यह ऐसे व्यक्ति के हाथों नहीं लिखे, इन्होंने कई बार लिखवाया लिए आने के अवसर, लिखवा आपसे गया। ऐसे प्रधान-मंत्री और साथ व्यक्तियों का अंत एक ऐसे ... व्यक्ति के हाथों हुआ जिसे उन्होंने अपने आदेश ... लिखवाने के लिए रखा। अब आत्मदर्शन के क्षण में उन्हें अपनी अनेकों भूलों का भी एक बोध हुआ होगा। यह भी संभव है कि उन्होंने अपने अंतिम भाषण में इसी ओर संकेत किया हो। यह भाषण उन्होंने भुवनेश्वर में दिया था। उसमें उन्होंने कहा था कि देश की एकता और अखंडता को खतरा बाहर से नहीं, भीतर से है। उन्होंने कहा था कि देश के कुछ हिस्सों में अलगाववादी तत्व सिर उठा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वे इन तत्वों को कुचल देंगी। उन्होंने कहा था कि वे अपने खून की आखिरी बूंद तक देश की एकता और अखंडता के लिए लड़ेंगी। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए जीती हैं और देश के लिए मरेंगी। उन्होंने कहा था कि वे अपने खून की आखिरी बूंद तक देश की एकता और अखंडता के लिए लड़ेंगी। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए जीती हैं और देश के लिए मरेंगी।

आत्मदर्शन के क्षण में उन्हें अपनी अनेकों भूलों का भी एक बोध हुआ होगा। यह भी संभव है कि उन्होंने अपने अंतिम भाषण में इसी ओर संकेत किया हो। यह भाषण उन्होंने भुवनेश्वर में दिया था। उसमें उन्होंने कहा था कि देश की एकता और अखंडता को खतरा बाहर से नहीं, भीतर से है। उन्होंने कहा था कि देश के कुछ हिस्सों में अलगाववादी तत्व सिर उठा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वे इन तत्वों को कुचल देंगी। उन्होंने कहा था कि वे अपने खून की आखिरी बूंद तक देश की एकता और अखंडता के लिए लड़ेंगी। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए जीती हैं और देश के लिए मरेंगी।

आत्मदर्शन के क्षण में उन्हें अपनी अनेकों भूलों का भी एक बोध हुआ होगा। यह भी संभव है कि उन्होंने अपने अंतिम भाषण में इसी ओर संकेत किया हो। यह भाषण उन्होंने भुवनेश्वर में दिया था। उसमें उन्होंने कहा था कि देश की एकता और अखंडता को खतरा बाहर से नहीं, भीतर से है। उन्होंने कहा था कि देश के कुछ हिस्सों में अलगाववादी तत्व सिर उठा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वे इन तत्वों को कुचल देंगी। उन्होंने कहा था कि वे अपने खून की आखिरी बूंद तक देश की एकता और अखंडता के लिए लड़ेंगी। उन्होंने कहा था कि वे देश के लिए जीती हैं और देश के लिए मरेंगी।

बिहार का लाइलाज स्वास्थ्य विभाग

— शशीश चन्द्र भारद्वाज

यूं तो पूरा बिहार राज्य ही एक लम्बे समय से बीमार है लेकिन इसके स्वास्थ्य की परवाह करने वाले स्वास्थ्य विभाग का स्वास्थ्य जो दिन-ब-दिन इतनी तेजी से खराब होता जा रहा है कि अब वह सचमुच लाईलाज हो गया है।

स्वास्थ्य विभाग का मुख्यालय शहर है मेडिकल कालेजों की अनेक सीटों का आयोजन तथा चालकता; मेडिकल कालेजों में विद्यार्थी तथा अध्यापकों की व्यवस्था तथा राज्य के मेडिकल कॉलेजों का प्रबंधन।

मेडिकल बिहार का स्वास्थ्य निदेशक न जिसे एक वीर चौधरी चाचाजी को करने में असफल रहा है, परन्तु अपनी सामुदायिकताओं ही सारे रोगों की जड़ है। बिहार के स्वास्थ्य संबंधी निदेशकेश्वर अधिकांशतः डा० वर्मा तथा ही पहले इस तथा पूरे बिहार में स्वास्थ्यसेवा व करने के लगभग सारा निदेशक की ऐसा दिखाते हुए राज्य भर में सर्वोत्तम निदेशकत्व पदों में नियुक्त तथा कलह चल रिहाने में काम कर रहे हैं। स्वास्थ्यकल के लिए पूरा उत्तर लिए जा रहे हैं, स्वास्थ्य संबंधी ने पत्थर संकल्प नहीं।

डा० सत्यनारायण सिंह का कर रहना है। 1948 से में पुलपुर, मधेपुरी और मजिस्ट्रेटपुर में स्वास्थ्यसेवा में।

खाली के आगे में बीच औषध भण्डार

राज्य के सचिव स्वास्थ्य से ऊपर निदेशक, चीफ मेडीकलिस्टों इनके उपकरणों में विभाग की व्यवस्था करता लिया है। और सब अवश्यक ही कम लिखने हैं।

तबादलों में पक्षपात

राजधानी में अधिकारियों के लिए पूरे से पुराना स्वास्थ्य विभाग में पूरे 84 से खाली सीट सचिवालयों द्वारा 430 तबादलों की सबसे की गई। इस सीट तबादले में लिखर एवं अधिकारियों को साथ पर रख दिया गया, जिसका स्वास्थ्य आयुक्त लिख: सचिव पूरे से इस बात से चीफ तबादले में उन्हें पूरा साथ दिये के लिखने प्रबन्ध में देख लिया है।

डा० कुमार चौधरी ने साथ मुजफ्फरपुर की जगह भागा की जगह पूरे जिला लिखवाया और मुजफ्फरपुर (मजफ्फरपुर) के स्वास्थ्यसेवा दी गये। लिखने साथ में साथ मुजफ्फरपुर हुआ की हकदार ने साथ की मुजफ्फरपुर की कि डा० चौधरी को मोतीपुर जिले के सीवान स्थानांतर में देख लिया है। साथ में डा० खाली मुजफ्फर के मजफ्फरपुर डा० चौधरी ने अपनी हकदार खाली के स्थान की

इंका-आर. एस. एस. गठजोड़

पृष्ठ 1 का शेष

[illegible]

[illegible]

प्रतिपक्ष

[illegible]

नई दिल्ली-११०००१